Name of Publication: Navbharat

Edition: Mumbai

Date: 21st July, 2016

23,000 करोड़ की मेट्रो-3

अक्टूबर से काम शुरू

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की रफ्तार जल्द ही और तेज होने वाली है. कम समय में मुंबईकरों को उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाने वाली मेट्रो 3 का काम बारिश के बाद शुरू होने वाला है. 33.5 किलोमीटर लंबी कोलाबा बांद्रा और सीप्ज के बीच चलने वाली भूमिगत मेट्रो देश की पहली इतनी दूरी वाली मेट्रो ट्रेन है. जिसका काम वर्ष 2020 तक पूर्ण हो जाएगा. लोगों को ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने वाली इस परियोजना पर कुल 23 हजार 126 करोड़ रुपए का खर्च आएगा. 27 स्टेशनों वाले मेट्रो 3 कॉरिडोर में 26 स्टेशन भूमिगत होंगे जबकि केवल 1 स्टेशन ही जमीन पर होगा.

परियोजना का विडियो जारी

मेट्रो 3 का कार्य पूरा होने के बाद लोगों को इसके क्या फायदे होंगे इसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाने एमएमआरसीएल की मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी भिड़े ने बुधवार को एक विडियो जारी किया. अश्विनी भिड़े ने कहा कि जिन स्थानों तक लोकल ट्रेन पहुंच नही पाई है. उन स्थानों को जोड़ने का काम मेट्रो करेगी. इसी के साथ कफ परेड से सीप्ज आने में यात्रियों को जहां पहले घंटों लग जाते थे वह अब 30 से 40 मिनट में अपने गंतव्य तक पहुंच जाएंगे.

स्टेशन के नाम

- कफ परेड
- विधान भवन
- चर्चगेट
- हुतात्मा चौक
- सीएसटी मेट्रो
- कालवा देवी
- गिरगांव
- ग्रांटरोड
- मुंबई सेंट्रल
- महालक्ष्मी मेट्रो
- साइंस म्यूजियम
- आचार्य अत्रे चौक
- वर्ली
- सिद्धिविनायक
- दादर मेट्रो
- शीतला देवी
- धारावी
- बीकेसी मेट्रो
- विद्यानगरी
- सांताक्रुज
- सीएसआईए
- सहार रोड
- सीएसए इंटरनेशनल
- मरोल नाका
- एमआईडीसी
- सीप्झ

20 से 30 मीटर नीचे दौड़ेगी मेट्रो

देश की सबसे लंबी भूमिगत मेट्रो जमीन से 20 से 30 मीटर नीचे दौड़ेगी. सभी स्टेशन दो लेवल में विभाजित होंगे. टनल निर्माण के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए एमएमआरसीएल द्वारा मार्ग में आने वाले सभी इमारतों का सर्वे किया गया था. इसी के साथ टनल निर्माण में बेहद कम कंपन वाली मशीनों के इस्तमाल का फैसला लिया गया हैं. ताकि गिरगांव समेत कई इलाकों की पुरानी इमारतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे.

64 हेक्टर जमीन अधिग्रहित

मेट्रो निर्माण में एमएमआरसीएल को कुल 78.67 हेक्टर जमीन की आवश्कता है. जिसमें से 75.22 हेक्टर जमीन राज्य सरकार और 3.45 हेक्टर प्रायवेट जमीन है. प्रोजेक्ट शुरू होने से पहले ही 64 हेक्टर जमीन अधिग्रहीत की जा चुकी है. इसी के साथ जमीन अधिग्रहण के लिए एमएमआरसीएल ने 66 प्रायवेट पार्टियों के साथ एमओयू साइन किए है. जबकि महालक्ष्मी रेसकोर्स, ओवल मैदान,धारावी म्हाडा जमीन और आजाद मैदान का कुछ भाग पहले ही एमएमआरसीएल को मिल चुका है.

30 शिक्षा संस्थान जुड़ेंगे

भूमिगत मेट्रों के 27 स्टेशन शहर के 30 शिक्षा संस्थानों से हो कर गुजरेंगे . साथ ही मुंबई एयरपोर्ट से भी मेट्रो को जोड़ा जाएगा. इस वजह से छात्र भी कम समय में अपने संस्थानों तक पहुंच सकेंगे.

पुनर्वसन का काम शुरू

मेट्रो 3 प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार परिवारों का पुनर्वसन किया जाएगा. निर्माण कार्य से पहले ही पुनर्वसन का काम शुरू कर दिया गया है. इसके तहत बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स परिसर में रहने वाले 148 परिवारों को कुर्ला वेस्ट में 12 मंजिला इमारत में शिफ्ट कर दिया गया है.